ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-12-2025

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-12-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-12-24	2025-12-25	2025-12-26	2025-12-27	2025-12-28
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	31.0	31.0	31.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	14.0	14.0	12.0	12.0	11.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	23	17	12	14	15
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	41	26	22	21	20
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	13	10	9	11	11
पवन दिशा (डिग्री)	60	68	69	72	66
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	4	3
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहने की संभावना। अधिकतम तापमान 30.0 से 31.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 11.0 से 14.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना। हवा की गति 9-13 किमी/घंटा रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

आने वाले दिनों में कोई चेतावनी नहीं ।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

कोई नहीं

सामान्य सलाहकार:

किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि तापमान बढने की सम्भावना को देखते हुए मैथी, ईसबगोल, जीरा, सरसों व चने की फसल में हल्की सिंचाई करें।

लघु संदेश सलाहकार:

रिजका की प्रत्येक कटाई के बाद 15 किलो ग्राम नत्रजन प्रति हैक्टेयर दें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि समय से बोई गई गेहूं की फसल 21 दिन की हो गई हो तो किसान भाई फसल में प्रथम सिंचाई करें तथा सिंचाई के साथ 30 किलो ग्राम नत्रजन प्रति हैक्टेयर की दर से दें।
सरसों	किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि सरसों की फसल में फूल आते समय 40 – 45 दिन की फसल पर सिंचाई करें।
चना	चने मे फली छेदक किट के नियन्त्रण के लिए प्रथम भुरकाव फूल आने से पूर्व मिथाइल पैराथियान 2 प्रतिशत चुर्ण 25 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर की दर से भुरकाव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
जीरा	जीरे की फसल में उखटा रोग का प्रकोप पौधों की छोटी अवस्था में अधिक होता है। रोग के नियंत्रण के लिए दो ग्राम मैन्कोजेब प्रति लीटर पानी की दर से बुवाई के 25 दिन बाद छिड़काव करें।
गाजर	तापमान बढने की सम्भावना को देखते हुए गाजर की फसल में 5 -7 दिनों के अन्तराल पर सिंचाई करें।
	ईसबगोल की फसल में अंकुरण के 20 से 25 दिन बाद निराई गुड़ाई अवश्य करें। निराई गुड़ाई से वायु संचरण बढ़ता है तथा खरपतवार नियंत्रण के साथ तुलासिता रोग का प्रकोप कम हो जाता है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं मे न्यूमोनिया के लखण जैसे बुखार, दस्त, नाक व आंख से पानी आना दिखाई देने पर उसे तुरन्त अन्य स्वस्थ पशुओं से पृथक कर दें और निकटतम पशुचिकित्सक से परामर्श लें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कोई नहीं

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

कोई नहीं

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details